SAMPLE QUESTION PAPER - 4
SUBJECT- Hindi A (002)
CLASS IX (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक:** 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना अति आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र रह जाएँगे और एक व्यक्ति या समूह के नाते आपको उसका कोई लाभ नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी है कि कोई केवल जड़ों तक ही सीमित नहीं रह सकता। जड़ों में भी अंकुर फूटकर जब तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं। सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही वह उससे हमेशा सहमत न हो। सहमति और असहमति का सवाल तभी उठता है, जब आप किसी चीज को समझते हैं, अन्यथा यह आँख बंद करके स्वीकार करना है, जिसे किसी भी चीज के बारे में सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना क्यों आवश्यक है?

i. क्योंकि इससे मनुष्य की पहचान होती है
ii. क्योंकि इससे समाज की पहचान होती है
iii. क्योंकि इससे मनुष्य के पद की पहचान होती है
iv. क्योंकि इससे राज्य की पहचान होती है

क) कथन i, ii व iv सही हैं   ख) कथन ii व iv सही हैं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) कथन i, ii व iii सही हैं　　　　घ) कथन ii सही है

(ii) लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत क्या शामिल है?

क) असहमति के तथ्य　　　　ख) जर्जर होती मान्यताएँ

ग) प्रगति के प्रतिमान　　　　घ) अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव

(iii) गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) सुसंस्कृत दृष्टि समाज की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है　　　　ख) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है

ग) सुसंस्कृत दृष्टि नई दृष्टि को समझती है　　　　घ) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है

(iv) सहमति और असहमति का प्रश्न कब उठता है?

क) जब व्यक्ति में आत्मविश्वास कम होता है　　　　ख) जब व्यक्ति अवचेतन अवस्था में होता है

ग) जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है　　　　घ) जब व्यक्ति केवल विरोध करता है

(v) सुसंस्कृत दृष्टि को आवश्यक क्यों माना गया है?

क) क्योंकि यह केवल स्वार्थों पर आधारित होती है　　　　ख) क्योंकि यह मनुष्य या समाज की पहचान के लिए आवश्यक है

ग) क्योंकि यह समाज की उपेक्षा करती है　　　　घ) क्योंकि यह जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण नहीं रखती है

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

जय बोलो उस धीरव्रती की, जिसने सोता देश जगाया
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया।
जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।
घृणा मिटाने को दुनिया से लिखा लहू से जिसने अपने
"जो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।"
कहीं बेड़ियाँ औ हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ
किंतु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ।
आज़ादी वह मूर्ति नहीं है जो बैठी रहती मंदिर में
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हल्का फूल नहीं आज़ादी, वह है भारी ज़िम्मेदारी
उसे उठाने को कंधों के, भुजदंडों के, बल को तोलो।
-- हरिवंश राय बच्चन

(i) **सोता देश जगाया** से क्या आशय है?

क) नींद से उठाकर काम पर लगाया
ख) परतंत्र देश को स्वतंत्रता की प्रेरणा दी
ग) अधार्मिकों को धार्मिक बनाया
घ) नास्तिकों को आस्तिक बनाया

(ii) प्रस्तुत कविता किसे केंद्र में रखकर लिखी गई है?

क) नेहरू को
ख) महात्मा गांधी को
ग) सुभाषचंद्र बोस को
घ) सरदार पटेल को

(iii) **मिट्टी के पुतलों** से क्या तात्पर्य है?

क) मूर्ख व्यक्तियों
ख) सीधे-सरल सामान्य लोग
ग) अशक्त लोगों
घ) सामान्य सैनिकों

(iv) **अमृत** शब्द का पर्यायवाची शब्द निम्न में से कौन है?

क) जलज
ख) मधुरस
ग) पयोधर
घ) अमिय

(v) **हल्का फूल नहीं आजादी** से कवि का क्या आशय है?

क) आजादी एक हल्के फूल की तरह है
ख) आजादी पाना कोई मुश्किल कार्य नहीं है
ग) आजादी के लिए मृत्यु को गले लगाना पड़ता है
घ) आजादी आसानी से नहीं मिलती

3. **निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **सुत** शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए किस प्रत्यय का प्रयोग किया जाएगा? **[1]**

क) आ
ख) इ
ग) इक्
घ) ईय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता उपसर्ग और प्रत्यय के संबंध में सही नहीं है? [1]

क) दोनों का एक साथ प्रयोग नहीं हो सकता | ख) दोनों शब्दांश होते हैं
ग) दोनों का प्रयोग शब्द के अर्थ में परिवर्तन लाता है | घ) दोनों शब्दों के बिना प्रयोग में नहीं लाए जाते

(iii) 'प्रत्यक्ष' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए। [1]

क) प्रति + इक्ष | ख) प्रति + अक्ष
ग) प्रत + अक्ष | घ) प्रत्य + अक्ष

(iv) 'अधि' उपसर्ग किस भाषा से लिया गया है ? [1]

क) हिंदी | ख) अंग्रेजी
ग) अरबी फारसी | घ) संस्कृत

(v) **प्यासा** शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है? [1]

क) सा | ख) आसा
ग) आ | घ) प्यास

4. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) **फलानुसार** शब्द किस समास का उदाहरण है? [1]

क) द्वंद्व समास | ख) तत्पुरुष समास
ग) बहुव्रीहि समास | घ) अव्ययीभाव समास

(ii) निम्नलिखित में बहुव्रीहि समास का सही उदाहरण है - [1]

क) फलानुसार | ख) भाग्यहीन
ग) मदांध | घ) लंबोदर

(iii) **लम्बोदर** में कौन-सा समास है? [1]

क) तत्पुरुष | ख) द्वंद्व
ग) बहुव्रीहि | घ) द्विगु

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) निम्नलिखित में **जलद-यान** का उपयुक्त समान-विग्रह कौन-सा है? [1]

क) जलद अथवा यान | ख) जलद सम यान

ग) जलद और यान | घ) जलद रूपी यान

(v) **आत्मकथा** समस्त पद का विग्रह है: [1]

क) आत्म की कथा | ख) आत्मा से कथा

ग) आत्मा की कथा | घ) आत्मा के लिए कथा

5. **निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए- [1]
यात्री अपनी मंजिल तक पहुँच चुका होगा।

क) संदेहवाचक | ख) आज्ञावाचक

ग) विस्मयादिबोधक | घ) इच्छावाचक

(ii) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
शायद आज पवन अभी तक दफ़्तर नहीं पहुँचा होगा।

क) संदेह वाचक वाक्य | ख) विधान वाचक वाक्य

ग) आज्ञा वाचक वाक्य | घ) प्रश्न वाचक वाक्य

(iii) किस वाक्य के माध्यम से हम अपने भावों को प्रकट करते हैं? [1]

क) इच्छावाचक वाक्य | ख) सरल वाक्य

ग) विस्मयादिबोधक वाक्य | घ) संकेतवाचक वाक्य

(iv) अर्थ की दृष्टी से वाक्य भेद बताइए- [1]
मुझे वह पुस्तक उठा कर दो।

क) संदेहवाचक वाक्य | ख) आज्ञावाचक वाक्य

ग) विधानवाचक वाक्य | घ) प्रश्नवाचक वाक्य

(v) अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए- [1]
अहा! कैसा सुन्दर दृश्य है।

क) विस्म्यादिवाचक | ख) विधानवाचक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) इच्छावाचक
घ) आज्ञावाचक

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]
लाल देह लाली लसै, अरु धर लाल लंगूर।
ब्रज देह दानव-दलन, जय-जय जय कपि सूर।।

क) अनुप्रास
ख) अतिश्योक्ति
ग) प्रतीप
घ) यमक

(ii) **केकी रव की नुपुर ध्वनि सुन,** [1]
जगती जगती की मूक प्यास।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) यमक अलंकार
ख) रूपक अलंकार
ग) उपमा अलंकार
घ) अनुप्रास अलंकार

(iii) जहाँ किसी एक वस्तु या प्राणी की तुलना किसी प्रसिद्ध वस्तु या प्राणी से की जाए, उसे कौन-सा अलंकार कहते हैं? [1]

क) अतिशयोक्ति
ख) उपमा
ग) रूपक
घ) उत्प्रेक्षा

(iv) **दृग-पग पोंछन को करे भूषन पायंदाज** में अलंकार है- [1]

क) रूपक
ख) अतिशयोक्ति
ग) उत्प्रेक्षा
घ) उपमा

(v) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]
रावनु रथी विरथ रघुवीरा।

क) उपमा अलंकार
ख) अनुप्रास अलंकार
ग) यमक अलंकार
घ) रूपक अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]
झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे-हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते, ये हम नहीं सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे- विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गर्दन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज़्यादा-से-ज़्यादा बोझ मेरी ही गर्दन पर रहे।

(i) झूरी काछी के दोनों बैल किस जाति के थे?

क) पछाईं जाति के

ख) साहीवाल जाति के

ग) लाल सिंधी जाति के

घ) गिर जाति के

(ii) हीरा-मोती में कौन-सी गुप्त शक्ति थी?

क) मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

ख) परस्पर वार्तालाप की

ग) इनमें से कोई नहीं

घ) भारी से भारी वजन को उठा लेने की

(iii) **जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित हैं** कथन से लेखक का क्या आशय है?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) मनुष्य परस्पर बिना कहे एक-दूसरे की बात समझ लेते हैं

ग) सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

घ) मौन होकर भी एक-दूसरे के मन की बात समझना मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है

(iv) हीरा-मोती अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे?

क) एक-दूसरे से सींग मिलाकर

ख) एक-दूसरे को सूँघकर

ग) सभी

घ) एक-दूसरे को चाटकर

(v) हीरा-मोती में समर्पण का भाव कैसे था?

क) गाड़ी में रखा सामान जल्दी-से-जल्दी घर पहुँचाया जाए

ख) गाड़ी का ज्यादा-से-ज्यादा भार दूसरे पर पड़े

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) संकट में एक-दूसरे की मदद करते थे

घ) गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** [2]

(i) **साँवले सपनों की याद** पाठ के संदर्भ में कृष्ण की बाँसुरी के जादू से कभी कौन खाली नहीं होता? [1]

क) मथुरा

ख) हस्तिनापुर

ग) द्वारका

घ) वृंदावन

(ii) प्रेमचंद फटे जूते पहन कर फोटो क्यों खिंचवाते हैं? [1]

क) मजबूरी के कारण

ख) सादगी के कारण

ग) गरीबी के कारण

घ) दिखावे के कारण

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ।।

(i) मनुष्य कहलाने के योग्य कौन होता है?

क) जो सोने के पात्र प्रयोग करता है

ख) जो निम्न कुल में जन्म लेता है

ग) जो उच्च कुल में जन्म लेता है

घ) जिसके कर्म श्रेष्ठ हों

(ii) जे करनी ऊँच न होइ से क्या आशय है?

क) जिसने ऊँचे कुल में जन्म लिया हो

ख) जिसने नीचे कुल में जन्म लिया हो

ग) जिसके कर्म अच्छे अर्थात् ऊँचे हों

घ) जिसके कर्म अच्छे अर्थात् ऊँचे न हों

(iii) साधु लोग किसकी निंदा करते हैं?

क) उच्च कुल में जन्म लेने वाले की

ख) नीच कुल में जन्म लेने वाले की

ग) अच्छे कर्म करने वाले की

घ) शराब से भरे सोने के कलश की

(iv) कबीर के अनुसार मानव की श्रेष्ठता किसमें है?

क) सोने के कलश में शराब पीने में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ख) उसके द्वारा उच्च कर्मों को करने में

ग) श्रेष्ठ कुल में जन्म लेने में | घ) इनमें से कोई नहीं

(v) **सुबरन** का तत्सम रूप क्या होगा?

क) सोना | ख) सुनहरा

ग) सुंदर रंग | घ) स्वर्ण

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** [2]

(i) **ग्राम श्री** कविता में ओस को कैसा बताया गया है? [1]

क) हरे रक्त के समान | ख) जाली के समान

ग) सोन के समान | घ) मोती के समान

(ii) कवि राजेश जोशी का जन्म कहाँ हुआ? [1]

क) मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में | ख) मध्य प्रदेश के कटनी जिले में

ग) मध्य प्रदेश के सतना जिले में | घ) मध्य प्रदेश के नरसिंह जिले में

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) सुमति तिब्बतवासियों की धार्मिक आस्था का अनुचित लाभ किस तरह उठाते थे? [2]

(ii) प्रेमचन्द के फटे जूते पाठ के सन्दर्भ में आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है? [2]

(iii) महादेवी जी के इस संस्मरण को पढ़ते हुए आपके मानस-पटल पर भी अपने बचपन की कोई स्मृति उभरकर आई होगी, उसे संस्मरण शैली में लिखिए। [2]

(iv) सामंती संस्कृति से क्या अभिप्राय है? **आज उसका मुहावरा बदल गया है** कथन का अर्थ **उपभोक्तावाद की संस्कृति** पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [2]

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) ललद्यद कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं? [2]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) **पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के** का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) आपके विचार से स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एक-सा व्यवहार क्यों किया जाता होगा? [2]

(iv) गोपी कृष्ण की मुरली को होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती है? [2]

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** [8]

(i) **इस जल प्रलय में** पाठ के अनुसार लेखक को ऐसा क्यों लगा कि मुसहर जाति के लोगों को राहत सामग्री भी ऐसी खुशी न दे सकेगी? [4]

(ii) **मेरे संग की औरतें** शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [4]

(iii) उमा ने गोपाल प्रसाद के साथ जो व्यवहार किया, आपके विचार से वह कितना उचित है, लिखिए? [4]

14. **देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- हमारा देश और संस्कृति
- विदेशी प्रभाव
- परिणाम और सुझाव

अथवा

वर्तमान खेती में ज़हर विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- दवाओं और कीटनाशकों का भरपूर उपयोग
- बंजर भूमि का फैलाव
- जैविक खेती की माँग

अथवा

वन एवं वन्य संपदा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वन एवं वन्य संपदा क्या है?
- इनका महत्त्व
- वन एवं वन संपदा पर खतरा

15. अपने प्रधानाचार्य को आवेदन पत्र जिसमें अन्य विद्यालय से फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति माँगी गई हो। [5]

अथवा

अस्पताल में दाखिल हुए अपने किसी दुर्घटनाग्रस्त मित्र को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

16. **आज का दिन हमेशा याद रहेगा ...** विषय पर एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके शहर में सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य-मंत्री को dfpd@gov.in पर एक ईमेल लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

17. चंचल और मोनिका सहपाठी हैं। परीक्षा के बाद दोनों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **[4]**

अथवा

अभिषेक वर्मा, दिल्ली पब्लिक विद्यालय के हेड ब्वाय की ओर से सुनामी पीड़ितों के लिए धनराशि दान करने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answers

खंड - अ (बहुविकल्पी प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना अति आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र रह जाएँगे और एक व्यक्ति या समूह के नाते आपको उसका कोई लाभ नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी है कि कोई केवल जड़ों तक ही सीमित नहीं रह सकता। जड़ों में भी अंकुर फूटकर जब तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं।

सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही वह उससे हमेशा सहमत न हो। सहमति और असहमति का सवाल तभी उठता है, जब आप किसी चीज को समझते हैं, अन्यथा यह आँख बंद करके स्वीकार करना है, जिसे किसी भी चीज के बारे में सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) **(क)** कथन i, ii व iv सही हैं

व्याख्या: हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इससे मनुष्य, समाज और राज्य की पहचान होती है तथा उसका महत्त्व जाना जाता है। यदि मनुष्य की जड़ें अतीत में न हों तो उसका कोई महत्त्व नहीं रहता।

(ii) **(घ)** अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव

व्याख्या: गद्यांश में लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कई प्रकार की समझ-बूझ भी शामिल होती है।

(iii) **(ख)** सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है

व्याख्या: गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है कि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है, क्योंकि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है। इसमें अतीत के साथ नई दृष्टि की समझ भी होती है।

(iv) **(ग)** जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है

व्याख्या: सहमति और असहमति का प्रश्न तब उठता है जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है। अपनी समझ के अनुसार ही वह किसी चीज के प्रति सहमति और असहमति प्रकट करता है।

(v) **(ख)** क्योंकि यह मनुष्य या समाज की पहचान के लिए आवश्यक है

व्याख्या: सुसंस्कृत दृष्टि को आवश्यक इसलिए माना गया है, क्योंकि यह मनुष्य या समाज की पहचान के लिए आवश्यक है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

जय बोलो उस धीरव्रती की, जिसने सोता देश जगाया
जिसने मिट्टी के पुतलों को वीरों का बाना पहनाया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जिसने आज़ादी लेने की एक निराली राह निकाली
और स्वयं उस पर चलने में जिसने अपना शीश चढ़ाया।
घृणा मिटाने को दुनिया से लिखा लहू से जिसने अपने
"जो कि तुम्हारे हित विष घोले, तुम उसके हित अमृत घोलो।"
कहीं बेड़ियाँ औ हथकड़ियाँ, हर्ष मनाओ, मंगल गाओ
किंतु यहाँ पर लक्ष्य नहीं है, आगे पथ पर पाँव बढ़ाओ।
आज़ादी वह मूर्ति नहीं है जो बैठी रहती मंदिर में
उसकी पूजा करनी है तो नक्षत्रों से होड़ लगाओ।
हल्का फूल नहीं आज़ादी, वह है भारी ज़म्मेदारी
उसे उठाने को कंधों के, भुजदंडों के, बल को तोलो।
-- हरिवंश राय बच्चन

(i) **(ख)** परतंत्र देश को स्वतंत्रता की प्रेरणा दी
व्याख्या: काव्यांश की पहली पंक्ति में कहा गया है कि धीरव्रती (महात्मा गांधी) ने सोते हुए परतंत्र देश भारत को नींद से जगाया और इसे स्वतंत्रता प्राप्ति का मार्ग दिखाया।

(ii) **(ख)** महात्मा गांधी को
व्याख्या: काव्यांश में कहा गया है कि 'जय बोलो उस धीरव्रती की' अर्थात् 'धीरव्रती' से तात्पर्य है- धीर (धैर्य) को धारण करने वाला। सभी को ज्ञात है कि 'सत्याग्रह' महात्मा गांधी का लड़ने का हथियार था।

(iii) **(ख)** सीधे-सरल सामान्य लोग
व्याख्या: काव्यांश में कहा गया है कि धीरव्रती ने ही इस देश के 'मिट्टी के पुतलों अर्थात् सीधे-सरल सामान्य लोगों को लड़ने के लिए वीरता का बाना पहनाया था।

(iv) **(घ)** अमिय
व्याख्या: 'अमृत' का पर्यायवाची शब्द 'अमिय' होता है।

(v) **(घ)** आजादी आसानी से नहीं मिलती
व्याख्या: कवि कहता है कि आजादी किसी हल्के फूल की तरह नहीं है। वह आसानी से नहीं मिलती। वह एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। उसके लिए कठिन प्रयत्न करना पड़ता है।

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** आ
व्याख्या: 'सुत' शब्द का अर्थ पुत्र होता है। 'सुत' शब्द में आ प्रत्यय जोड़ देने पर सुता हो जाता है जिसका अर्थ पुत्री होता है।

(ii) **(क)** दोनों का एक साथ प्रयोग नहीं हो सकता
व्याख्या: दोनों का प्रयोग एक साथ हो सकता है। नि+डर+ता = निडरता

(iii) **(ख)** प्रति + अक्ष
व्याख्या: प्रत्यक्ष - शब्द में प्रति उपसर्ग है और अक्ष मूल शब्द है।

(iv) **(घ)** संस्कृत
व्याख्या: संस्कृत (अधि= अध्यक्ष, मुख्य)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) **(ग)** आ

व्याख्या: आ

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** तत्पुरुष समास

व्याख्या: तत्पुरुष समास

(ii) **(घ)** लंबोदर

व्याख्या: लंबोदर

(iii) **(ग)** बहुव्रीहि

व्याख्या: बहुव्रीहि

(iv) **(घ)** जलद रूपी यान

व्याख्या: जलद रूपी यान

(v) **(क)** आत्म की कथा

व्याख्या: आत्म की कथा

5. निर्देशानुसार 'अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** संदेहवाचक

व्याख्या: संदेहवाचक

(ii) **(क)** संदेह वाचक वाक्य

व्याख्या: संदेह वाचक वाक्य

(iii) **(ग)** विस्मयादिबोधक वाक्य

व्याख्या: जिस वाक्य के माध्यम से हम अपने भावों को प्रकट करते हैं, उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं। उदाहरण:- तुमने तो बहुत अच्छा काम किया।

(iv) **(ख)** आज्ञावाचक वाक्य

व्याख्या: आज्ञावाचक वाक्य

(v) **(क)** विस्म्यादिवाचक

व्याख्या: विस्म्यादिवाचक

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** यमक

व्याख्या: यमक

(ii) **(क)** यमक अलंकार

व्याख्या: यमक अलंकार

(iii) **(ख)** उपमा

व्याख्या: उपमा I जैसे- यह देखिए अरविन्द से शिशुवृंद कैसे सो रहे। (यहाँ शिशु वृंद की तुलना कमल से की गई है)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv)**(क)** रूपक

व्याख्या: रूपक

(v) **(ख)** अनुप्रास अलंकार

व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

झूरी काछी के दोनों बैलों के नाम थे-हीरा और मोती। दोनों पछाई जाति के थे-देखने में सुंदर, काम में चौकस, डील में ऊँचे। बहुत दिनों साथ रहते-रहते दोनों में भाईचारा हो गया था। दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते, ये हम नहीं सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे-विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गर्दन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज़्यादा-से-ज़्यादा बोझ मेरी ही गर्दन पर रहे।

(i) **(क)** पछाईं जाति के

व्याख्या: पछाईं जाति के

(ii) **(क)** मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

व्याख्या: मूक होकर भी एक-दूसरे की बात समझने की

(iii)**(ग)** सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

व्याख्या: सभी जीवों में श्रेष्ठ होने के बावजूद भी मनुष्य बिना वार्तालाप के एक-दूसरे की बात नहीं समझ सकते

(iv)**(ग)** सभी

व्याख्या: सभी

(v) **(घ)** गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

व्याख्या: गाड़ी में जुते होने पर गाड़ी का ज्यादा भार एक-दूसरे पर न पड़े

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** वृंदावन

व्याख्या: कृष्ण की बांसुरी के जादू से वृंदावन कभी खाली नहीं होता।

(ii) **(ख)** सादगी के कारण

व्याख्या: प्रेमचंद सादगीपूर्ण जीवन जीते थे उन्हें दिखावा पसंद नहीं था इसलिए वे फटे जूते पहन कर फोटो खिंचवाते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ।।
(i) **(घ)** जिसके कर्म श्रेष्ठ हों
व्याख्या: जिसके कर्म श्रेष्ठ हों
(ii) **(घ)** जिसके कर्म अच्छे अर्थात् ऊँचे न हों
व्याख्या: जिसके कर्म अच्छे अर्थात् ऊँचे न हों
(iii) **(घ)** शराब से भरे सोने के कलश की
व्याख्या: शराब से भरे सोने के कलश की
(iv) **(ख)** उसके द्वारा उच्च कर्मों को करने में
व्याख्या: उसके द्वारा उच्च कर्मों को करने में
(v) **(घ)** स्वर्ण
व्याख्या: स्वर्ण

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
(i) **(क)** हरे रक्त के समान
व्याख्या: हरे रक्त के समान
(ii) **(घ)** मध्य प्रदेश के नरसिंह जिले में
व्याख्या: कवि राजेश जोशी का जन्म मध्य प्रदेश के नरसिंह जिले में हुआ।

खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-
(i) सुमति बौध गया से लाए हुए गंडे अपने यजमानों के घर जाकर देते थे | इसके बदले उन्हें दक्षिणा मिलती थी | जब वहाँ से लाए गए गंडे समाप्त हो जाते थे तो वे अपने पास से उसी रंग का कपड़ा लेकर उसके गंडे बनाकर अपने यजमानों में बाँटते थे। इस तरह वे उनकी धार्मिक आस्था का अनुचित लाभ उठाते थे।
(ii) आज के समय में लोगों की सोच और दृष्टिकोण में बहुत परिवर्तन आ गया है। लोग व्यक्ति की वेशभूषा को देखकर ही उसका स्वागत-सत्कार करते हैं। इसकी वजह से गुणवान व्यक्ति अच्छे कपड़ों के अभाव में सम्मानीय नहीं बन पाता। लोग अपने कपड़ों के माध्यम से अपनी हैसियत प्रदर्शित करते हैं। सादा कपड़े पहनने वाले को तो आज पिछड़ा समझा जाने लगा है। आज का युवा वर्ग तो अपनी वेशभूषा के प्रति अधिक सजग हो गया है। समाज में अपना सम्मान बढ़ाने के लिए निम्न वर्ग भी सम्पन्न वर्ग के समान ही आचरण करने लगा है। वह अपनी हैसियत से बढ़कर अपनी वेशभूषा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग हो गए हैं।
(iii) विद्यार्थी स्वयं अपने विवेक से करें।
(iv) भोग-विलास को ही सर्वस्व मानने वाली जीवन-शैली 'सामंती संस्कृति' कहलाती है। आज उसका मुहावरा अर्थात् स्वरूप बदल गया है। पहले सामंत गरीब मज़ूरों एवं किसानों का शोषण

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

करते थे, परंतु आज वही सामंतवादी लोग उपभोक्तावादी संस्कृति के संरक्षक और नियंत्रक बनकर नित्य नए उत्पादों को बढ़ावा देकर सामान्य जनता का शोषण कर रहे हैं।

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) कवयित्री के मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ इसलिए हो रहे हैं क्योंकि वह सांसारिक मोह-माया के बंधन में फंस चुकी है। वह कोरी प्रभु भक्ति के सहारे भवसागर पार करना चाहती है।

(ii) गाँव में मेघ रूपी पाहन का बेचैनी से इंतजार किया जाता है। यहाँ की और शहर के रहन-सहन तथा संस्कृति में अंतर होता है। शहर में लोग भले ही अन्य लोगों से कम आत्मीयता से मिलते हों पर गाँव के लोग, सज-धजकर आए शहरी पाहून (मेघ) का स्वागत करते हैं।

(iii) पराधीन भारत में अंग्रेज़ शासक थे और भारतीय उनके द्वारा शासित या उनके गुलाम कहना भी उचित होगा। भारतीयों द्वारा स्वतंत्रता की माँग करते हुए अंग्रेजों का विरोध करना उनकी दृष्टि में गंभीर और भयानक अपराध था। वे उनके विद्रोह को कठोरता से कुचल देते थे। वे भारतीयों से अपराधियों-सा व्यवहार करते थे, ताकि अन्य भारतीय स्वतंत्रता की माँग न करें तथा किसी प्रकार का विद्रोह न करें।

(iv) गोपी को महसूस होता है कि उसके और कृष्ण के बीच मुरली ही बाधक है। इस मुरली के कारण ही वह कृष्ण को सामीप्य पाने से वंचित रह जाती है। वह सोचती है कि कृष्ण उससे ज्यादा मुरली को चाहते हैं। यह मुरली ही कृष्ण और उसके बीच दूरी को कारण है।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक एक बार परमान नदी की बाढ़ में डूबे मुसहरों की बस्ती में राहत सामग्री बाँटने गया। वह जब अपने साथियों के साथ टोले के पास पहुँचा तो वहाँ का दृश्य देखकर दंग रह गया। वहाँ ढोल और मजीरे की आवाज सुनाई दे रही थी। लेखक ने देखा कि एक ऊँची जगह पर मंच बनाकर उसे सजाया गया है। 'बलवाही' नाच हो रहा है। एक काला नट लाल साड़ी पहने रूठी दुलहिन का अभिनय कर रहा है और पुरुष नट उसे मना रहा है। ढोल मजीरे की गूँजती तालों के बीच भूख-प्यास से व्याकुल नर-नारियों की मुक्त खिलखिलाहट सुन लेखक ने जान लिया कि उसके द्वारा बाँटी जाने वाली राहत सामग्री भी उन्हें यह खुशी नहीं दे सकेगी।

(ii) 'मेरे संग की औरतें' एक नए ढंग या शैली में लिखा गया संस्मरणात्मक गद्य है। यह पाठ ऐसी औरतों पर केंद्रित है, जिन्होंने परंपरागत तरीके से जीवन जिया, लेकिन साथ ही ये लीक से हटकर जीने की भी प्रेरणा देती हैं। पाठ में लेखिका की नानी, परदादी, माँ, बहनें और स्वयं लेखिका की कहानी बताई गई है। ये सभी चरित्र वस्तुतः लेखिका के संग की ही महिलाएँ हैं। लेखिका इस शीर्षक के माध्यम से किन्हीं विशिष्ट स्त्रियों के बारे में उनके विशिष्ट व्यक्तित्व की चर्चा करने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि सामान्य स्त्रियों के व्यक्तित्व में निहित विशिष्ट गुणों को उभारना चाहती हैं। इसलिए वह अपने संग की सामान्य महिलाओं की ही चर्चा करती हैं। इसलिए 'मेरे संग की औरतें' शीर्षक पूर्णतः सार्थक और अत्यंत प्रभावी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii)गोपाल प्रसाद समाज के उन लोगों का प्रतीक है जिनकी सोच समाज के लिए हितकर नहीं है। ऐसे लोग नारी जाति को मात्र उपभोग की वस्तु समझते हैं वे स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी होते हैं। उनके विचार से यदि नारी पढ़-लिख गई तो अपने अधिकारों के प्रति सजग हो जाएगी।
उमा द्वारा गोपाल प्रसाद के साथ किया गया व्यवहार बिल्कुल उचित है। स्त्री और पुरुष समाज के अंग हैं। दोनों बराबर हैं। उमा शिक्षित युवती है जो अपना हित-अहित समझती है। नारी के विरुद्ध ऐसी सोच रखने वाले को लताड़कर उमा ने ठीक ही किया।

14. अत्यधिक विविधताओं से भरा होने के बावजूद हमारा देश भारत एक है और इसकी एकता का कारण है-यहाँ की समेकित संस्कृति। भारत एक सांस्कृतिक विविधता वाला देश है, जहाँ विभिन्न धर्मों, भाषाओं, वर्णों, खान-पान, वेशभूषा आदि की विविधताओं वाले लोग एक साथ रहते हैं। भारतीय संस्कृति सभी भारतीयों की आत्मा मानी जाती है। हम सभी भारतीय संस्कृति का आदर करते हैं। हमारी संस्कृति में यह माना जाता है कि हम सभी अपने-अपने धर्म का पालन करें फिर चाहे कोई-सा धर्म हो। सभी धर्मों के प्रति प्रेम व सौहार्द्र की भावना ही भारतीय संस्कृति की अद्वितीय विशेषता है। बड़ों का आदर, नारियों का सम्मान, जीवों पर दया, सादा जीवन-उच्च विचार आदि गुण हमारी संस्कृति के मूल में हैं।
विदेशी संस्कृति के प्रभाव में आकर आज भारतीय अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। जहाँ वे विदेशी संस्कृति व सभ्यता को अपनाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं वहीं भारतीय संस्कृति को वे हीन मानने लगे हैं। विदेशी संस्कृति के प्रभाव में आकर वे अंग्रेजी भाषा बोलने में अपनी शान समझते हैं। स्वयं को सुंदर दिखाने की होड़ मची हुई है। कम कपड़े पहनकर अंग प्रदर्शन करना, जंक फूड खाना, बड़ों का आदर न करना, देर रात तक पार्टियों में घूमना, मदिरापान करना आदि विदेशी संस्कृति के दुष्प्रभाव हैं। विदेशी संस्कृति के दुष्परिणाम स्वरूप समाज पतन की ओर अग्रसर है। नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। आज का युवा अपराधों और नशे का आदी हो रहा है। जिस संस्कृति को बचाने में हमारे पूर्वजों ने इतनी मेहनत की थी उसे आज हम भूलते जा रहे हैं। अपनी संस्कृति की रक्षा हेतु हमें बच्चों को बचपन से ही संस्कारित करना होगा। उन्हें वेदों, धर्म, प्राचीन इतिहास, पूर्वजों की जीवन गाथा की जानकारी देनी होगी। परिवार में ऐसा माहौल बनाना होगा कि बच्चा स्वयं उनसे प्रेरणा ग्रहण कर संस्कारित हो सके।

अथवा

वर्तमान खेती में ज़हर

रासायनिक खादों और कीटनाशकों के ज्यादा इस्तेमाल से न सिर्फ इंसान और जीव-जन्तुओं की सेहत पर असर पड़ रहा है, बल्कि जमीन के उपजाऊपन में भी कमी आ रही है। सरकार अपनी कृषि नीतियों का पुनरावलोकन करे। साथ ही, आधुनिक कृषि प्रणाली के फायदे और नुकसान का सही-सही जायजा ले। सरकार की ओर से कीटनाशकों के इस्तेमाल को नियन्त्रित करने और खेती के ऐसे तौर-तरीकों को बढ़ावा देने की पहल होनी चाहिए, जो सेहत और पर्यावरण, दोनों के लिए अनुकूल हों, तभी जाकर खेत और किसान सुरक्षित रहेंगे। खेती में कीटनाशकों के इस्तेमाल का बहुत कम हिस्सा अपने वास्तविक मकसद के काम आता है। इसका बड़ा हिस्सा तो हमारे विभिन्न जलस्रोतों में पहुँच जाता है और भूजल को प्रदूषित करता है। जमीन में रिसने से काफी जगहों का भूजल बेहद जहरीला हो गया है। ये रसायन बहकर नदियों और तालाबों में भी पहुँच जाते हैं, जिसका दुष्प्रभाव जल-जीवों और पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। कीटनाशकों के इस्तेमाल वाली

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

फसलों के खाने से न सिर्फ इंसान की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ा, बल्कि पशु-पक्षी, कीट-पतंगे और पर्यावरण भी प्रभावित हुआ। जब भी देश के विकास की बात होती है, तो उसमें हरित क्रान्ति का जिक्र जरूर होता है क्योंकि हरित क्रान्ति के बाद ही देश सही मायने में आत्म-निर्भर हुआ है। यहाँ पैदावार बढ़ी, लेकिन हरित क्रान्ति का एक स्याह पहलू भी है, जो धीरे-धीरे समाने आ रहा है। जैसा कि हम जानते हैं कि हरित क्रान्ति के दौरान हमारे नीति-निर्धारकों ने देश में ऐसी कृषि प्रणाली को बढ़ावा दिया, जिसमें रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अलावा पानी की अधिक खपत होती है। ज्यादा पैदावार के लालच में किसानों ने भी इन्हें स्वेच्छा से अपना लिया। कल तक खेती में प्राकृतिक खादों का इस्तेमाल करने वाला किसान रासायनिक खादों और कीटनाशकों का इस्तेमाल करने लगा। जाहिर है कि इससे कृषि की पैदावार बढ़ी भी, लेकिन उनकी भूमि की उर्वरा शक्ति समाप्त हो गई।

कीटनाशकों के सम्पर्क और फसलों में आए उनके खतरनाक असर से किसानों में कैंसर समेत अनेक गम्भीर बीमारियाँ पनपीं। इससे बचने का तरीका है जैविक खेती। जैविक खेती में खाद, कीटनाशक और जलवायु न्यूनतम मात्रा में उपयोग किए जाते हैं, जो प्राकृतिक तरीके से पैदा होते हैं और वातावरण को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों का उपयोग नहीं करते हैं। इसलिए, जैविक खेती वातावरण संरक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जैविक खेती में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों का खाद्य तत्व मूल रूप से स्थानीय खेती से ही प्राप्त होता है, जिससे खेती के स्वस्थ विकास के लिए संतुलित पोषण में सुनिश्चित होता है। जैविक खेती में उत्पादों की गुणवत्ता सुधार होती है जिससे खेतीकरों को बेहतर मूल्य मिलता है और साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी सुधार होता है।

अथवा

वन एवं वन्य संपदा

सामान्यतः एक ऐसा विस्तृत भू-भाग जो पेड़-पौधों से आच्छादित हो, 'वन' कहलाता है। वन मनुष्य के लिए प्रकृति का सबसे बड़ा वरदान है। वन सम्पदा हमारी भारतीय सभ्यता और प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वन सम्पदा वातावरण में उपलब्ध धुआँ, धूलकण, कार्बन, सीसा, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड एवं मानव जीवन को प्रदूषित करने वाली गैसों को घटाकर जीवन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त,वनों से हमें फ़र्नीचर के लिए लकड़ी, फल-फूल, जड़ी-बूटियाँ, औषधियाँ आदि वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। वन मृदा अपरदन रोकने व वर्षा करवाने में भी सहायक होते हैं।

वनों का एक लाभ और भी है। इनके कारण ही वन्य-जीवन फलता-फूलता है। वन्य का अर्थ है-वन में उत्पन्न होने वाला। इस प्रकार वन्य-जीवन का तात्पर्य उन जीवों से है जो वन में पैदा होते हैं और वन ही उनका आवास-स्थल बनता है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में लगभग 75000 प्रकार की जीव-प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश वनों में पाई जाती हैं। इनमें सिंह, चीता, लोमड़ी, गीदड़, लकड़बग्घा, हिरण, जिराफ, नीलगाय, साँप, मगरमच्छ आदि प्रमुख हैं। यदि वन न हों तो इन सभी जीवों का अस्तित्व ही मिट जाएगा, जबकि मनुष्य के साथ इन जीवों का सह-अस्तित्व आवश्यक है क्योंकि इससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है। हालाँकि पिछले कुछ समय से वन एवं वन्य संपदा पर खतरा मँडरा रहा है। वनों से ढके हुए क्षेत्रों में कमी हो रही है, जिससे वन्य-जीवन भी विलुप्त होता जा रहा है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार, देश के 33% भू-भाग पर वन होने चाहिए, परंतु इस नीति पर ठीक से अमल नहीं किया जा रहा है। प्रशासन तंत्र को शीघ्र ही इस विषय का संज्ञान लेना चाहिए और वन एवं वन्य संपदा के संरक्षण हेतु उचित कदम उठाने चाहिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

15. प्रधानाचार्य महोदय,
केनेडी पब्लिक स्कूल
राज नगर, पालम,
नई दिल्ली-110077
5, अप्रैल, 20XX
विषय-फुटबॉल मैच खेलने की अनुमति के संबंध में
श्रीमान् जी
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की फुटबॉल टीम का कप्तान हूँ। हम अपने अभ्यास के लिए दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल की फुटबॉल टीम से मैच खेलना चाहते हैं। हर वर्ष हमारा इसी स्कूल की टीम से ही फाइनल में मुकाबला होता है। हमारी टीम प्रतियोगिता के लिए तैयार है। हम टीम में कुछ नए खिलाड़ी भी शामिल कर रहे हैं। इससे उन्हें विपक्षी टीम की ताकत का अंदाजा भी हो जाएगा तथा उनकी कमजोरियों का भी पता चल जाएगा। इससे हमारी टीम को लाभ मिलेगा।
अतः मेरा आपसे आग्रह है कि आप मुझे आज्ञा देने की महान कृपा करें और साथ ही दिल्ली शिक्षा भारती पब्लिक स्कूल के प्राचार्य को भी मैच देखने के लिए आमंत्रित करें। हम सब आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद
भवदीय
गिरीश
कप्तान, फुटबॉल टीम।

अथवा

75/4 लवकुश नगर,
दिल्ली
दिनांक 05/03/2019
प्रिय मित्र मोहित,
मधुर स्मृति, मुझे कल ही सचिन के पत्र से ज्ञात हुआ कि तुम दुर्घटनाग्रस्त हो गए हो। यह जानकर मुझे अत्यंत दुःख हुआ क्योंकि पंद्रह दिन बाद तुम्हारी अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएँ आरम्भ होने वाली हैं। ऐसे समय में तुम्हारी टखने की हड्डी टूटना निस्संदेह खेद का विषय है। मित्र जीवन में कष्ट तो आते ही रहते हैं इनसे घबराना नहीं चाहिए। ये तो वास्तव में तुम्हारे धैर्य की परीक्षा की घड़ी है। इस समय तुम अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अस्पताल में अधिक चिंता करना उचित नहीं है। घर आकर तुम परीक्षा की तैयारी करना। आशा है मेरी बातों पर तुम ध्यान दोगे। आंटी व अंकल को प्रणाम।
तुम्हारा अभिन्न मित्र,
रोहित

16. मुझे आज भी वो दिन याद है जब मैंने पहली बार विश्वविद्यालय में कदम रखा था। जो सपना मैंने बचपन से देखा था वो उस दिन साकार हो गया था। उस दिन का अनुभव मुझे आज भी याद है। हम सभी के जीवन में कुछ खास दिन होते है, जो हमें हमेशा याद रहता है। मै गाँव में पला बढ़ा था और मेरी प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण परिवेश में हुई थी। मेरा विश्वविद्यालय शहर में था। विश्वविद्यालय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

का वातावरण मेरे लिए बिल्कुल नया था। मेरे हाथ में मेरा परिचय पत्र था, जिसे लेकर मै विश्वविद्यालय के विभाग में गया और मेरा पहली कक्षा शुरू होने वाली थी। उस कक्षा में में बैठना मेरे लिए सौभाग्य था और यहाँ से मेरे करियर की शुरुआत हुई। मैंने वहाँ मित्र बनाये और गुरुओं का सम्मान किया। आज मै ऊँचे पद पर हूँ। आज भी मुझे मेरा वो पहला दिन याद है। उस दिन मैंने यह जाना कि अगर आप सपने देखते है और उन सपनो को पूरा करने के लिए परिश्रम करते है तो सपने सच हो जाते है। उस दिन मै इसका प्रत्यक्ष प्रमाण था। उस दिन के बाद से मुझे आगे की शिक्षा प्राप्त करने और जीवन जीने के लिए एक नई ऊर्जा मिल गई। सभी के जीवन में कुछ ऐसे पल होते है, जो उनके लिए बहुत खास होते है। हमें उन पलों को याद रखना चाहिए और उन पलों से सीखना भी चाहिए। हमारे जीवन के ये खास पल हमारे जीवन में खुशियों के स्त्रोत होते है। इन पलों का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व होता है।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: dfpd@gov.in
CC ...
BCC ...
विषय - खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या के सन्दर्भ में
महोदय,
आप भली-भांति जानते है कि त्योहारों का मौसम आ पहुँचा है जिसमें खाद्य पदार्थों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इस समय बाजार में खाद्य पदार्थों की माँग बहुत बढ़ जाती है और उनकी पूर्ति करने के लिए मिलावट करने वालों का धंधा भी ज़ोर पकड़ने लगता है जिससे ग्राहक बहुत परेशान होते हैं। आप सम्बन्धित विभागीय कर्मचारियों को सचेत करें जिससे वे जगह-जगह छापामार कार्यवाही हो और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जनजीवन विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित हो सके।
पवन

17. चंचल - मोनिका! कैसी हो? पेपर कैसे हुए?
मोनिका - यह तो रिजल्ट ही बताएगा।
चंचल - मैं तुमसे रिजल्ट नहीं, मैं तो पूछ रही हूँ, कैसे हुए पेपर?
मोनिका - अंग्रेजी तो अच्छा हुआ पर गणित का एक प्रश्न छूट गया। तुम्हारे कैसे हुए?
चंचल - मेरे पेपर अच्छे हुए हैं। अंग्रेजी और गणित में तो मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। परंतु इसके रिजल्ट का मुझे भरोसा नहीं रहता।

अथवा

दिल्ली पब्लिक विद्यालय

सूचना

20 मई 201

हमारे विद्यालय के प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अधिक-से-अधिक धन राशि एकत्रित करके सुनामी पीड़ितों की सहायता की जाए। अतः आप सबको सूचित किया जाता है कि अधिक-से-अधिक दान देकर इस अमूल्य कार्य में सहयोग दें। अतिरिक्त जानकारी हेतु स्कूल प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी से संपर्क करें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अभिषेक वर्मा
हेड ब्वाय

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in